



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

शासकीय से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

662
3

सं. 180]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 4, 1989/चैत्र 14, 1911

No. 180]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 4, 1989/CHAITRA 14, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक विकायत और पेंशन संत्रालय
(कार्मिक और प्रधिकार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1989

सा.का.नि. 421(अ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सिविल सेवा और पदों की रिक्तियों में अधिशिष्ट कर्मचारियों के पुनराभिनियोजन, जिसके प्रस्तुत पुनर्संभायोजन भी है, का विनियमन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम 'केन्द्रीय गिविल सेवा और पदों पर अधिशिष्ट कर्मचारियों का पुनराभिनियोजन (अनुपूरक) नियम, 1988' है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :

इन नियमों में, जब तक कि संबंध से प्रत्यक्षा अपेक्षित न हो,—

(क) 'मूल नियम' से निम्नलिखित अभिप्रेत होगा :

(i) अधिशिष्ट समूह 'क' और 'ल' कर्मचारियों के केन्द्रीय सिविल सेवा और पदों (समूह 'क' और 'ब') की रिक्तियों में अधिशिष्ट कर्मचारियों का पुनराभिनियोजन

नियोजित नियम, 1986' (जिसे इसमें इसके पश्चात् '1986 नियम' कहा गया है);

(ii) अधिशिष्ट समूह 'ग' कर्मचारियों के संबंध में, 'केन्द्रीय गिविल सेवा और पदों, समूह 'न' की रिक्तियों में अधिशिष्ट कर्मचारियों का पुनराभिनियोजन नियम, 1967' (जिसे इसमें इसके पश्चात् '1967 नियम' कहा गया है); और

(iii) अधिशिष्ट समूह 'घ' कर्मचारियों के संबंध में, 'केन्द्रीय गिविल सेवा और पदों, भमूह 'ध' की रिक्तियों में अधिशिष्ट कर्मचारियों का पुनराभिनियोजन नियम, 1970' (जिसे इसमें इसके पश्चात् '1970 नियम' कहा गया है),

(iv) 'प्रकोष्ठ', 'प्रायोग' और 'अधिशिष्ट कर्मचारी' पदों के वही अर्थ होंगे जो सुरक्षात् मूल नियमों में वर्णण उनके हैं;

(v) 'पुनराभिनियोजन' से उपर्युक्त खण्ड (क) से उल्लिखित 'मूल नियमों' में से किसी नियम के अधीन केन्द्रीय सिविल सेवा या पद की रिक्तियों में अधिशिष्ट कर्मचारी की विविध अभिप्रेत होगी।

(vi) 'पुनर्संभायोजन' से भूतपूर्व अधिशिष्ट कर्मचारी की विविध वह पदों में है, पुनराभिनियोजन किया जा सका है, उन आकारिकताओं में, उन प्रक्रिया के अनुसार और उन गति-

के अधीन रहते हुए, जिन्हें उन नियमों में इसमें इसके पश्चात निविष्ट पिया गया है। पुनर्नियुक्त अभिप्रेत होगी;

(इ) 'समर्थ्य वेतनमान' पद का वर्ती स्वर्य होगा जो उमका '1986 नियम' के नियम 5 के खण्ड (i) में है।

3. अधिशिष्ट कर्मचारी के पुनराभिनियोजन के लिए कार्रवाई की समाप्ति :

किसी अधिशिष्ट कर्मचारी की पुनराभिनियोजन के लिए कार्रवाई उस सारीख को समाप्त हुई समझी जाएगी जिसको—

(क) उसे उमी या किसी दूसरे विभाग/संगठन में अन्य पद ग्रहण करने के लिए, चांडे उमकी अवस्था प्रकोष्ठ के माध्यम से की गई हो या अन्यथा सेवान्मुक्त किया गया है; या

(ख) सेवा के पर्यवेक्षन अथवा स्थानपत्र अथवा स्वैच्छिक सेवापूर्व मेवानिवृत्ति के लिए उमकी प्रार्थना को स्वीकार किया जाना है।

4. क्रमस्थापन का अवधारण और वेतन का संरक्षण :

(1) पुनराभिनियोजन और पुनर्संमायोजन, दोनों के लिए अधिशिष्ट ममृह 'ग' और 'ध' कर्मचारियों के क्रमस्थापन का विनियमन उन्हीं मिडलान्ट द्वारा किया जायेगा जो '1986 नियम' के नियम 5 में अधिकारित है।

(2) उपनियम (1) में निविष्ट मिडलान्ट, जहाँ आवश्यक हों, समृह 'क' और 'ख' अधिशिष्ट कर्मचारियों के पुनर्संमायोजन को भी लागू होगे।

(3) उपर्युक्त उपनियम (1) और (2) में तथा 1986 नियम के नियम 5 में अन्यविष्ट किसी बाल के होते हुए भी, वेतनमान के संरक्षण का फायदा वहा विस्तारित नहीं किया जायेगा जहाँ किसी समर्थ्य या उच्चाकार वेतनमान में किसी पद की उपमन्दिरान के बावजूद, किसी अधिकारि को उसके अपने ही अनुरोध पर निम्नतर वेतनमान वाले पद पर पुनराभिनियोजन पुनर्संमायोजन किया जाना है।

5. समृह 'ग' अधिशिष्ट कर्मचारी का समृह 'ध' सेवा/पद में किसी रिक्ति के विरुद्ध अभिनियोजन :

(1) यदि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग का, प्रकोष्ठ उसको रिपोर्ट की गई रिक्तियों के पुनर्विलोकन पर, इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि उसके लिए समृह 'ग' पद में किसी उपव्युक्त नियोजन की अवधारणा करना समवय नहीं होगा तो अह, 1970 नियमों के नियम 3 में विभी बाल के होते हुए भी, और जहाँ तक संभव हो, गोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय में प्रकोष्ठ वो पूर्ण सूचना के साथ, समृह 'ग' अधिशिष्ट कर्मचारी को समृह 'ध' सेवा/पद में किसी रिक्ति में नियुक्ति के लिए नामनिर्दिष्ट कर रक्खेगा और उस स्थिति में 1970 नियमों के नियम 4, नियम 5, नियम 6, नियम 7 और नियम 8 में ऐसे नामनिर्देशन को बैंसे ही लागू होगे जैसे ये उक्त महानिवेशालय में प्रकोष्ठ द्वारा किए गए भमृह 'प' अधिशिष्ट कर्मचारी के नामनिर्देशन वो लागू होते हैं।

परन्तु यह कि जहाँ एक ही रिक्ति के लिए नाम निर्देशन कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग तथा रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय द्वारा किए गए हैं तो वहाँ प्राप्तिकार्ता संगठन उसे पहले प्राप्त नामनिर्देशन पर कार्रवाई करने के लिए सुचित करेगा।

(2) उक्त उपनियम (1) के उपबन्ध द्वारा नियमों के नियम 6 के अधीन उद्भव द्वारा यांत्रिक पुनर्संमायोजन के मामलों को भी यथावश्यक परिवर्तन महिने लागू होगे।

6. पुनराभिनियोजन अधिशिष्ट कर्मचारियों का पुनर्संमायोजन .

(1) कोई अधिशिष्ट कर्मचारी, जिसे पहले ही पुनराभिनियोजन किया जा चुका है, निम्नलिखित हालतों को छोड़कर पुनर्संमायोजन की

मांग करने के लिए पात्र नहीं होगा—

(क) जब वह अपने अनुरोध से अन्यथा—

(i) किसी ऐसे पद पर, जिसका वेतनमान उस वेतनमान में निम्नतर है, जिसमें वह अधिशिष्ट घोषित किए जाने के समय था; या

(ii) किसी पद पर, जो वर्गीकरण में उस पद से निम्नतर है, जिसे वह अधिशिष्ट घोषित किए जाने के समय घारण किए था; या

(iii) किसी ऐसे कर्मचारी की दशा भ, जिसका अधिकतम वेतनमान केन्द्रीय निविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1986 के अनुगार, उम/उन राज्य (यों) से मिथ किसी राज्य में 2900 रुपये से अधिक नहीं है, जिसमें/जिसमें उसने पुनर्नियुक्ति की प्रतीक्षा करने समय अवध्या करने के लिए अपने पुनराभिनियोजन के लिए अनुरोध किया था, और ऐसे अनुरोध के अवधार में, वह राज्य में, जिसमें वह अधिशिष्ट घोषित किए जाने के समय तीनांत था, पुनराभिनियोजन किया गया है;

परन्तु यह कि वह, यथास्थिति, चानाव या तैनाती के लिए राज्य (यों) में अस्तर यित्तार्थी स्थानान्तरण पाने के लिए पात्र सामान्य अनुकूल में नहीं होगा :

परन्तु यह कि वह उस प्रवर्ग के अन्तर्गत नहीं आता, जिसमें 'अखिल भारतीय स्थानान्तरण वायिक्ष' है।

(ख) यदि उमका मामला, किसी अन्य ऐसे वर्ग के मामलों के अन्तर्गत आता है, जो केन्द्रीय मरकार द्वारा आदेश द्वारा इन नियमों के अधीन पुनर्संमायोजन आहने के लिए पात्र विनियिष्ट किया जाए।

[टिप्पणी. उपर्युक्त खण्ड (क) के उपखण्ड (iii) के अधीन उन अविक्षियों का पुनर्संमायोजन करने के लिए पात्रता के अवधारण के बारे में, जिनका पुनराभिनियोजन 1-1-86 के पूर्व किन्तु 1-1-73 के पहले नहीं किया गया है, वह तस्मानी वेतनमान, जिसका अधिकतम 900 रुपये से अधिक नहीं है, और उन कर्मचारियों की दशा में जो 1-1-73 के पूर्व पुनराभिनियोजन किए गए हैं, वे वेतनमान जिनका अधिकतम 575 रु. से अधिक नहीं है, हिसाब में निया जायगा। यह उस कर्मचारी को भी लागू होता, जो किसी पूर्व पुनरीक्षित वेतनमानों में वेतन ने रहा है।]

(2) कोई पुनराभिनियोजन कर्मचारी, जो उपनियम (1) के निविल द्वारा नियमों के प्रत्युत्तर पुनर्संमायोजन लाहने के लिए पात्र है, इन नियमों के परिवर्तन में दिए गए प्रस्तुत में ऐसे पुनर्संमायोजन के पक्ष में विकल्प का प्रयोग करेगा। और उस पद के जिसमें वह असमय पुनराभिनियोजित किया गया है, ग्रहण की तारीख से दो साल के भीतर अपने कार्यालय के प्रधान द्वारा प्राप्त नामनिर्देशन में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (प्रशिक्षण प्रकोष्ठ) को ना गमृह 'ध' कर्मचारी की दशा में रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय नहीं दिलाई की जेंगा।

परन्तु यह कि उन अविक्षियों की दशा में, जो इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख के पूर्व से पहले गे श्री पुनराभिनियोजन है, ऐसे विकल्प का प्रयोग इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख में तीन मास की अवधि के भीतर कर सकते।

(3) यदि विकल्प रक्षीकार करने योग्य पाया जाता है तो कर्मचारी की विचारान पुनराभिनियोजन अन्तिम के स्पष्ट में मानी जाएगी और संवेदित कर्मचारी मूल नियमों में "अधिशिष्ट कर्मचारी" पद की परिमाण में अस्तित्व किसी बाल के होने से हुए भी, संदर्भितक: अन्तिम पुनराभिनियोजन के लिए प्रतीक्षारत अधिशिष्ट कर्मचारी माना जाएगा।

(4) पुनः समायोजन निम्नलिखित और शर्तों के अधीन रहते हुए होगा :—

(क) अधिशिष्ट कर्मचारी को आपनी पूर्वसेवा की, जिसके अन्तर्गत वह भी है, जो उसके अन्तिम पुनराभिनियोजन के पद में को गई है, उस पद में, जिसमें वह पुनः समायोजित किया गया है, ज्येष्ठा के नियतन के लिए शर्तों के होगा;

(ख) पुनर्समायोजन के लिए कार्रवाई,—

(i) उस शर्तों से, जिनको पुनःसमायोजन के का प्रयोग किया जाता है, छह मास की समाप्ति पर (जिसके अन्तर्गत निलम्बन/अनुशासनिक कार्यवाहियों की यदि कोई हो, अधिक नहीं है);

(ii) ऐसी पूर्वतर तारीख को, जिसको ऐसे पद में, जिसका समरूप बेतनमान है और/गा उनके बारे में, जो उपर्युक्त उपनियम (1)(क) के खण्ड (i) और खण्ड (ii) के अन्तर्गत आते हैं, समकूल असंकरण है; और उनके बारे में, जो उसके खण्ड (iii) के अन्तर्गत आते हैं, समुचित राज्य में, कर्मचारी को नियुक्ति की कोई प्रस्थापना की जाती है; या

(iii) यदि वह पुनः समायोजन के लिए विकल्प वापस लेता है या व्यापक देता है या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए सूक्ष्म देता है या सेवानिवृत्त हो जाता है या अन्यथा सेवा में नहीं रहता है;

(iv) उस कर्मचारी की दशा में, जो निलम्बनाधीन है या उसके विस्तृ अनुशासनिक कार्यवाहियों के अधीन हो जाता है, यथास्थिति, ऐसे निलम्बन या अनुशासनिक कार्यवाहियों के बालू रहने की अवधि के दौरान, समाप्त हुई भानी जाएगी।

(ग) पुनः समायोजन केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों/अधीनस्थ कार्यालयों में उपलब्ध रिक्ति के लिए ही किया जाएगा और उसकी संवधित प्रक्रिया को रिपोर्ट किया जाएगा;

(घ) उच्चनर बेतनमान वाले पद पर पहले से ही पुनराभिनियोजित किसी अधिशिष्ट कर्मचारी का, किसी ऐसे पद पर समायोजन किया जा सके जिसका बेतनमान उसके मूल बेतनमान के समरूप है और वह ऐसे उच्चनर बेतनमान वाले पद पर समायोजन किए जाने के लिए कोई दावा नहीं रखेगा और न की अहं नए पद पर ऐसे उच्चनर बेतनमान के संरक्षण के लिए हकदार होगा;

(इ) निम्न बेतनमान वाले पद पर पुनराभिनियोजित ऐसा अधिशिष्ट कर्मचारी जो उपरोक्त उपनियम (1) के खण्ड (i) या खण्ड (ii) के अधीन पुनः समायोजन घाटा है, कार्मिक विभाग और प्रशासनिक मुदार के का, जा. सं. 1/15/84 मी. एम. iii तारीख 3-9-1984 के निवन्धनों के अनुसार प्राप्तिति के संरक्षण का पाल होगा; यदि अन्तिम रूप से भी उसे निम्ननर वर्गीकरण वाले पद पर समायोजित कर दिया जाता है किन्तु वह उग कारण से आते पुनः समायोजन मार्गने के लिए पाल नहीं होगा,

(झ) आरंभिक पुनराभिनियोजन के लिए प्रतीक्षा करने वाले अधिशिष्ट कर्मचारियों का प्रशासनिक मंत्रालयों/विभागों द्वारा, यथास्थिति, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग या नियोजन भीर प्रशिक्षण महानिदेशालय को रिपोर्ट की गई रिक्तियों के संबंध में समायोजन

के लिए प्रतीक्षा का दावा होगा और अनंतिम रूप से पुनराभिनियोजित कर्मचारियों के समायोजन की संभावना की खोज रिपोर्ट की गई योग्य रिक्तियों के संबंध में की जाएगी जिन्हें भर्ती की समाना प्रणालियों के मध्यम से भरी जाने के लिए पहले से अनुज्ञान नहीं किया गया है।

(ञ) किसी विशिष्ट जिज्ञा या शहर या विभाग या पद में समायोजित किए जाने का कोई अनुरोध कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ख) इन नियमों के निवन्धनों के अनुसार पुनर्समायोजन के रूप में ऐसी कर्मचारी की नियुक्ति को स्थानान्तरण याक्रा भना/कार्यग्रहण अवधि और कार्यग्रहण अवधि वेतन मत्तूर करने के लिए लोकहित में स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति माना जाएगा।

(ग) इन नियमों के अधीन पुनर्समायोजन किए जाने पर किसी कर्मचारी को स्थायी प्राप्तियां और यिन्होंने सेवाओं के संरक्षणों के प्राप्तवे उन्हीं शर्तों पर अनुज्ञेय होंगे जो पुनराभिनियोजित किए जाने पर किसी अधिशिष्ट कर्मचारी के संबंध में लागू होंगे।

(घ) मूल नियमों के अधीन प्रश्नगत प्रकोष्ठ को रिपोर्ट की गई रिक्तियों का उपयोग इन नियमों के निवन्धनों के अनुसार पुनराभिनियोजित कर्मचारी के पुनर्समायोजन के लिए, समुचित प्रकोष्ठ द्वारा किया जा सकेगा

यदि युसंगत समय पर उन गिरकारों के सबूथ में नामनिर्दिष्ट किए जाने के लिए कोई उपयुक्त अधिशिष्ट कर्मचारी न हो।

(ङ) 1967 के नियमों के नियम 1, 5, 6, 7 और 8; 1970 के नियमों के नियम 4, 5, 6, 7 और 8, और 1986 के नियमों के नियम 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 10 में प्रार्थित उपबन्ध यथावयक परिवर्तनों सहित, यथास्थिति पुनराभिनियोजित प्राधिशिष्ट कर्मचारी के पुनर्समायोजन के संबंध में लागू होंगे।

(ज) पुनर्समायोजन के लिए किसी कर्मचारी के विकल्प का स्वीकार किया जाना उसे ऐसा काई प्रशिक्षण प्राप्त करने, कोई विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने या किन्हीं कर्तव्यों का पालन करने से, जो उसके द्वारा धारित पद को लातू नियमों द्वारा है, या भवत प्राविकार्यों के आवेदन के अधीन अनंतिम पुनराभिनियोजन के कार्यालय में उपर्ये अपीक्षन हों, स्वभावत उन्मुक्ति प्रदान नहीं करेगा।

6. प्रक्रियाओं की रिक्तियों का चयनात्मक रिपोर्ट किया जाना।

1967 के नियमों के नियम 3 में, 1970 के नियमों के नियम 3 और 1986 के नियमों के नियम 3 के उपनियम (1) और नियम 3 में प्रान्तरविष्ट किसी बात के होने हुए भी संबंधित प्रक्रिया अनुदेश जारी कर सकेगा कि—

(क) मन्त्रालयों और विभागों को कनिपय ऐसे पदों/श्रेणियों/सेवाओं/श्रेत्रों में, जो विनिर्दिष्ट किए जाएं, रिक्तियों की या तो विनिर्दिष्ट अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि प्रतिकूल अनुदेश जारी नहीं कर दिए जाते, उसके पास रिपोर्ट बरते की आवश्यकता नहीं होगी; और

(ख) किन्हीं विशिष्ट पदों/श्रेणियों/सेवाओं/श्रेत्रों में किसी समय विद्यमान रिक्तियों की रिपोर्ट उसे की जाए, और उन्हें किन्हीं अन्य तरीकों से जिनमें ऐसे तरीके भी समिक्षित हैं जो भर्ती नियमों में विहित किए गए हैं, न भग जाए और ऐसा गृहांक प्रक्रिया में विनिर्दिष्ट अनापति प्राप्त करके ही किया जाए, अन्यथा नहीं।

[नं. 1/14/88-क. सं. III]

प. एम तमेजा, उप अधिकारी

पाद टिप्पणी—

- (1) उपरोक्त नियम 2 के खण्ड (क) (i) में निर्दिष्ट मूल नियम सा. का. नि. स. 1296 (ग्र) तारीख 19-12-86 के अधीन जारी किए गए थे और तत्पश्चात् उनका संशोधन सा. का. नि. स. 645 तारीख 22-8-1987 द्वारा किया गया।
- (2) उपरोक्त नियम के खण्ड (क) (ii) में निर्दिष्ट मूल नियम जो पहली बार सा. का. नि. स. 1847 तारीख 16-12-1967 के अधीन अधिसूचित किया गया था और तत्पश्चात् उनका संशोधन सा. का. नि. स. 1319 तारीख 27-8-70, सं. 669 तारीख 2-5-72 द्वारा 644 तारीख 28-8-87 द्वारा किया गया।
- (3) उपरोक्त नियम के खण्ड (क) (iii) में निर्दिष्ट मूल नियम पहली बार सा. का. नि. स. 1855 तारीख 31-10-70 के अधीन अधिसूचित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका सा. का. नि. स. 646 तारीख 22-8-1987 द्वारा संशोधन किया गया।

परिणाम

पुनर्संभायोजन के लिए विकल्प तथा प्रस्तुप

अन्तर्भूत विविध मिलिय मेवा और पदों की निकितयों में अधिशिष्ट कम्पन्चारियों की पुनर्गमिनियोजन (छतुपूरक) नियम, 1989 के नियम 6 के नियमों के अनुसार पुनर्संभायोजन के लिए विकल्प देता है और इस प्रयोजन के लिए सुनियन जानकारी देता है।

1. नाम

(जैसा कि मेवा पुरुषों में
विद्या हुआ है)

2. पिता का नाम

3. जन्म की तारीख

4. अधिवक्तिता की तारीख

5. (क) वह कार्यालय जिसमें
अधिशिष्ट घोषित किए जान
के समय नियोजित है

(ख) अधिशिष्ट घोषित करने
के समय धार्मिक पद

(ग) पद का वेतन मात्र

(घ) धार्मिक पद का वर्गीकरण गम्भृक/ग्र/ग्र/घ

(ङ) प्रास्तियनि
(यदि स्थानमें हैं तो उस पद
का उल्लेख करें जिस पर स्थायी
है)

6. वह तारीख जिससे अधिशिष्ट
घोषित किया गया है

7. उस पद की विधिविधायिक जिसमें
पुनर्गमिनियोजित किया गया है।

(क) कार्यालय का नाम और पता

(ख) कार्यालय में कार्यालय
की तारीख

*जो जागू नहीं हो उन काट दें।

(ग) वह पद जिस पर कार्ये
ग्रहण विद्या गया

(घ) पद का वेतनमान

8. वेतनमान पता
स्थायी पता
कार्यालय का पता।

9. पुनर्संभायोजन चाहतें के लिए
कारणों से सुनियन जानकारी

(क) यदि विनाम्/र वेतनमान वाले जिसी वेतनमान में पुनर्गमिनियोजन का मामला है (स्वयं के अनुरोध पर, अन्यथा) तो—

पद से गंतव्य वेतनमान	
1	2
वह पद जिसे वह अधिशिष्ट घोषित किए पुनर्संभायोजन जाने के समय धारण कर रखा था	वह पद जिसमें उसका

(1) 1-1-1973 से पूर्व

(यदि 1-1-73 से पहले पुनराभिनियोजन किया गया है)

(2) 1-1-1986 से पूर्व

(यदि 1-1-86 से पूर्व पुनर्गमिनियोजन किया गया है)

(3) पुनरोक्ति

(यदि 1-1-1975 के पश्चात् पुनर्गमिनियोजन किया गया है)

(ख) यदि पुनर्गमिनियोजन का कोई मामला ऐसे पद का है जिसका कार्यालय निम्नतर है

(1) मूल कार्यालय में धारित पद का नाम

(2) क्या इसे पं. I/II/III/IV के रूप में वर्गीकृत किया गया था
(यदि 1-1-1975 के पूर्व अधिशिष्ट घोषित किया गया है)

समूह "क"/"ख"/"ग"/"घ"
के सभी में वर्गीकृत किया गया है।

(3) उस पद का नाम और वर्गीकरण जिसमें उसका पुनर्गमिनियोजन किया गया है।

(4) क्या कार्मिक और प्रशासनिक शुधार के कार्यालय ज्ञापन से, 11/15/14-के, से, III तारीख 3-9-1984 के प्रधान वर्गीकरण—प्रास्तियनि के संरक्षण को सुविधा का उपयोग किया गया है, यदि नहीं तो उसके कारण बताएँ :

(ग) यदि किसी ऐसे राज्य से भिन्न जिसमें वह अधिशिष्ट थोकित किए जाने के समय तैनात था, राज्य में पुनराभिनियोजन के मामले में या किसी में नियोजन की व्यवस्था के लिए उपचारित किए जाने के मामले में वह वह पुनराभिनियोजन के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। (केवल ऐसे भव्य "ब" पुनराभिनियोजन के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। (केवल ऐसे भव्य "ब" / समूह "र" / और ऐसे समूह "ब" के कर्मचारियों की दशा में, जिनके बेतनमान का अधिकतम कोट्रीय सिविल सेवा (पुनराभित बेतन) नियम, 1986 के प्रत्युत्तर 2900 रु. से अधिक नहीं है जिसके अन्तर्गत जहां प्रत्युत्तर हो वैयक्तिक बेतनमान भी है, को लागू होता है)

(i) वह स्थान जिस पर अधिशिष्ट थोकित किए जाने के समय तैनात था, और वह राज्य/संघ राज्य को जिसमें वह स्थान अवस्थित है।

(ii) वह स्थान जिस पर वह पुनराभिनियोजन के समय तैनात किया गया और वह राज्य/संघ राज्य को जिसमें वह स्थान अवस्थित है।

(iii) क्या संबंधित प्रकोष्ठ को किसी विशिष्ट राज्य में पुनराभिनियोजन की व्यवस्था करने के लिए कोई अनुरोध किया गया था; यदि ऐसा है तो, उस राज्य/संघ राज्यको जो नाम बदल जिसमें पुनराभिनियोजन के लिए अनुरोध किया गया था। इस संबंध में प्रकोष्ठ को किए गए नियंत्रण का व्यौदा है:

(iv) (क) क्या पुनराभिनियोजन का पद कोई एकल पद है या किसी काडर/सेवा का कोई भाग है:

(ख) क्या पश्चात्वर्ती मामले में काडर/सेवा में अपर (iii) या अनुकूलता: (i) में (जो लागू हो) नियिष्ट राज्य में कोई ऐसा पद अवस्थित नहीं था जिसमें आवेदक को सामान्य अनुक्रम में अंतिमान्य रूप से स्थानांतरित किया जा सकता था।

2. मैं यह समझता हूँ कि मेरी पूर्व सेवा जिसके अंतर्गत मेरे द्वारा व्याप्त बत्तेमान पद पर की गई सेवा भी है, उस पद पर जिसमें मैं पुनर्संमाधेजित किया गया हूँ उपेण्ठता के नियतन के मद्दे गणना नहीं सी जाएगी।

3. मैं यह भी समझता हूँ कि पूर्वोक्त नियम 6 के उपनियम (4) के अंडे (ज) में वर्णित परिस्थितियों में से किसी में पुनर्संमाधेजित किया गया हूँ उपेण्ठता के नियतन के मद्दे गणना नहीं सी जाएगी।

तारीख: हस्ताक्षर

स्थान: विकल्पकर्ता का नाम—

बर्तमान पदनाम—

और कार्यालय का पता—

सं. ————— तारीख —————

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर वर्णित परिस्थितियों को इस संगठन में पुनराभिनियोजन पर कार्यक्रम और प्रशिक्षण विभाग के केन्द्रीय (अधिशिष्ट कर्मचारी, प्रकोष्ठ/रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय के विशेष प्रकोष्ठ से अधिशिष्ट कर्मचारियों के पुनराभिनियोजन के लिए सीम के नियन्त्रणों के अनुसार नियुक्त किया गया था।

2. पदाधिकारी द्वारा ऊपर दी गई विशिष्टियाँ इस कार्यालय में उन्नतव्य अभिनेत्रों के प्रतिनिर्देश से सत्यापित कर ली गई हैं और ठीक पाई गई हैं।

3. यह विकल्प इस विभाग/कार्यालय में तारीख _____ पर प्राप्त हुआ था। पुनर्संमाधेजित के लिए उसकी पात्रता का केन्द्रीय सिविल सेवा और पदों में अधिशिष्ट कर्मचारियों का पुनराभिनियोजन (अनुप्ररक) नियम, 1988 के नियम 6 के नियन्त्रणों के अनुसार सत्यापन कर लिया है और तदनुसार पुनर्संमाधेजित के लिए उसका विकल्प अधिकारी के लिए अवैधित किया जाता है।

हस्ताक्षर

कार्यालय प्रबंधन —————

नाम और पठनाम —————

बर्तमान कार्यालय

का पता —————

कार्यालय की मोहर —————

स्थान: —————

फोन नं.: —————

तार का पता —————

(यदि कोई हो)

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC

GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 1989

GSR-421(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Art. 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules for regulating the redeployment including readjustment of surplus staff against vacancies in the Central Civil Services and Posts, namely :

1. Short Title & Commencement :

(1) These rules may be called 'The Redeployment of Surplus Staff in the Central Civil Services and Posts (Supplementary) Rules, 1989';

(2) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions :

In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) the 'principal rules' shall mean—

(i) in relation to surplus Group 'A' and 'B' staff, 'The Redeployment of Surplus Staff against Vacancies in the Central Civil Services and Posts (Group A & B) Rules

- 1986' (hereinafter referred to as the '1986 Rules');
- (ii) in relation to surplus Group 'C' staff, 'The Redeployment of Surplus Staff against Vacancies in the Central Civil Services and Posts, Group C, Rules, 1967' (hereinafter referred to as the '1967 Rules'); and
- (iii) in relation to surplus Group 'D' staff, 'The Redeployment of Surplus Staff against Vacancies in Central Civil Services and Posts, Group D, Rules, 1970' (hereinafter referred to as the '1970 Rules').
- (b) The terms 'Cell', 'Commission' and 'surplus staff' shall have the meanings assigned to them respectively in the relevant principal rules;
- (c) 'Redeployment' shall mean the appointment of a surplus employee against a vacancy in a Central Civil Service or Post under any of the 'principal rules' mentioned in clause (a) above;
- (d) 'Redeployment' shall mean the re-appointment of an ex-surplus employee, though already redeployed, to another post in the contingencies, in accordance with the procedure and subject to the conditions as are set forth hereafter in these rules;
- (e) The term 'matching pay-scale' shall have the meaning assigned to it in clause (ii) of rule 5 of the '1986 Rules'.

3. Conclusion of action for redeployment of a surplus employee

The action for redeployment of a surplus employee shall be deemed to have been concluded on the date on which—

- (a) he is relieved to join another post, in the same or another Department/Organisation, whether arranged through the Cell or otherwise; or
- (b) his request for termination of services or resignation or voluntary/premature retirement is accepted.

4. Determination of placement and protection of pay

(1) The placement of surplus Group 'C' and 'D' staff both for redeployment and readjustment shall be regulated by the principles as are laid down in rule 5 of the '1986 Rules'.

(2) The principles referred to in sub-rule (1) shall also be applicable, where necessary, for the readjustment of surplus Group 'A' and 'B' staff.

(3) Notwithstanding any thing contained in sub-rule (1) and (2) above and rule 5 of the 1986 rules, the benefit of protection or pay-scale shall not be extended where, despite the availability of a post in a matching or higher pay scale, a person is redeployed/readjusted in a post carrying a lower pay scale at his own request.

5. Redeployment of a Group 'C' surplus employee against a vacancy in a Group "D" service/post

(1) If the Cell in the Department of Personnel & Training, on review of the vacancies reported to it comes to the conclusion that it may not be possible for it to arrange a suitable placement in a Group C post, it may, notwithstanding anything contained in rule 3 of the 1970 Rules, and, as far as possible with prior intimation to the Cell in the Directorate General, Employment & Training, nominate a Group C surplus employee for appointment to a vacancy in a Group 'D' service/post, and, in that case, rules 4, 5, 6, 7 and 8 of the 1970 rules shall apply to such nomination, as are applicable to the nomination of a Group 'D' surplus employee made by the Cell in the said Directorate General.

Provided that where nomination are made by the Department of Personnel and Training as well as by the Directorate General, Employment and Training for the same vacancy, the recipient organisation shall act upon the nomination received by it first and shall inform the other organisation to divert its nomination elsewhere.

(2) The provisions of sub-rule (1) above shall also apply mutatis mutandis to the cases or readjustment arising under rule 6 of these rules.

6. Readjustment of Redeployed Surplus Staff

(1) A surplus employee who has already been redeployed shall not be eligible to seek readjustment, except in the following cases :

- (a) when redeployed, otherwise than at his own request—
 - (i) in a post carrying a pay-scale lower than the pay-scale in which he was borne at the time of being declared surplus; or
 - (ii) in a post carrying a lower classification than that of the post held by him at the time of being declared surplus; or
 - (iii) in the case of an employee whose maximum of pay-scale, as per the Central Civil Services (Revised Pay) Rules, 1986 did not exceed Rs. 2900/-, in a State other than the State (s) in which he had requested for his placement to be arranged while awaiting redeployment and, in the absence of such request, the State in which he was posted at the time of being declared surplus :

Provided that he is not, in the ordinary course, eligible to seek intra-departmental transfer to such State (s) of choice or posting, as the case may be;

Provided, further, that he does not fall under the category which have "All India Transfer Liability".

- (b) if his case falls into any other class of cases, as may be specified by the Central Government by an order as being eligible for seeking readjustment under these rules.

(Note : For determination of eligibility for readjustment, under sub-clause (iii) of Clause (a) above of those redeployed prior to 1-1-86 but not before 1-1-73, the corresponding pay scales having the maximum of not more than Rs. 900 and in case of the employees redeployed prior to 1-1-73, the pay-scales with the maximum not exceeding Rs 573, shall be taken into account. This will apply also to an employee drawing pay in any of the pre-revised pay scales.)

(2) A redeployed employee, who in terms of sub-rule (1) is eligible to seek readjustment, shall exercise an option in favour of such readjustment in the form given in appendix to these rules and shall transmit the same to the Department of Personnel and Training (Surplus Cell) or in the case of Group 'D' employees--to the Directorate General of Employment and Training, New Delhi, through his head of office within two months from the date of joining the post in which he has, for the time being, been redeployed;

Provided that in the case of those who are already redeployed before the date of commencement of these rules, such option may be exercised within a period of three months from the date of commencement of these rules.

(3) In the event of the option being found acceptable, the existing redeployment of the employee shall be treated as provisional and the employee concerned shall, notwithstanding anything to the contrary contained in the definition of the term 'Surplus Staff' in the principal rules be treated notionally to be a surplus employee awaiting final redeployment.

(4) The readjustment shall be subject to the following further conditions :—

- (a) The surplus employee shall have no claim to count his past service, including that rendered in the post of his provisional redeployment, towards fixation of seniority in the post in which he is readjusted
- (b) The action for readjustment shall be treated as concluded in any of the following events :—
 - (i) on the expiry of six months (excluding the period of suspension/discriminatory proceedings, if any) from the date on which the option for readjustment is exercised ;
 - (ii) On such earlier date on which an offer of appointment to a post carrying a matching scale of pay and/or equivalent classification in respect of those covered by clauses (i) & (ii) of sub-rule (1)(a) above; and in the appropriate State in respect of those covered by clause (iii) thereof is made to the employees ; or
 - (iii) if he withdraws option for readjustment or tenders resignation or gives notice for voluntary retirement or retires or otherwise ceases to be in service.
 - (iv) in the case of an employee who is placed under suspension or becomes the subject

of disciplinary proceedings against him, during the period of such suspension or currency of disciplinary proceedings, as the case may be

- (c) Readjustment shall be made only against a vacancy available in the Central Ministries/ Departments/subordinate offices, and reported to the concerned Cell ;
- (d) A surplus employee already redeployed in a post carrying a higher pay scale may be readjusted in a post carrying a pay-scale matching his original pay-scale and shall have no claim for being readjusted in a post carrying such higher pay-scale nor shall he be entitled to protection of such higher pay-scale in the new post ;
- (e) a surplus employee redeployed in a post carrying a lower pay-scale who seeks readjustment under clause (i) or clause (iii) of sub-rule (1) above shall be eligible to protection of status in terms of Department of Personnel and AR's O.M No 1115/84-CS III dated 3-9-1981, if finally also he is readjusted in a post carrying a lower classification but shall not be eligible to seek further readjustment on that account
- (f) The surplus employees awaiting initial redeployment shall have prior claim to adjustment against the vacancies reported by the administrative Ministries/Departments to the Department of Personnel and Training or the Directorate General of Employment and Training, as the case may be, and the possibilities of adjustment of the provisionally redeployed employees shall be explored against the remaining reported vacancies which have not already been permitted to be filled up through the normal channels of recruitment.
- (g) No request for adjustment in a particular district or town or department or post shall be entertained

(5) The appointment of an employee by way of readjustment in terms of these rules shall be treated as appointment by transfer in public interest for the purpose of grant of transfer T.A., joining time and joining time pay.

(6) The benefits of protection of permanent status and of past service shall be admissible to an employee on readjustment under these rules, on the same terms, as to a surplus employee on his redeployment.

(7) The vacancies reported to the Cell in question under the principal rules may be utilized by the appropriate Cell for readjustment of redeployed staff in terms of these rules, if there is no suitable surplus employee for being nominated/sponsored there against at the relevant time

(8) The provisions contained in rules 1, 5, 6, 7 and 8 of the 1967 rules ; rules 4, 5, 6, 7 and 8 of the 1970 rules, and rules 3, 1, 5, 6, 7, 8, 9 and 10 of the

1986 rules shall apply mutatis mutandis in respect of readjustment re-employed surplus employees, as the case may be.

(9) The acceptance of the option of an employee for readjustment shall not per-se confer any immunity upon him from undergoing any training, passing any departmental test or performing any duties, as may be required of him by the rules applicable to the post held by him, or under the orders of the competent authority, in the office of provisional redeployment.

7. Selective Reporting of vacancies to the Cells

Notwithstanding anything contained in rule 3 of the 1967 Rules, rule 3 of the 1970 Rules, and sub-rules (1) and (3) of rule 3 of the 1986 Rules, the concerned Cell may issue instructions that —

- (a) the Ministries and Departments need not report vacancies in certain posts|grades| Services|regions, as may be specified, to it either for any specific period or till further instructions to the contrary are issued, and —
- (b) vacancies existing in particular posts|grades| services|regions at any point of time should be reported to it, and should not be filled up through any other modes including those prescribed in the Recruitment Rules, except after obtaining a specific clearance from the Cell aforesaid.

[No. 1|14|88-CS-III]

A. S. TANEJA, Dy. Secy.

Foot Note

(1) The principal rules referred to in clause (a) (i) of rule 2 above were issued under GSR No. 1296/E dated 19/12/86, and were subsequently amended by GSR No. 615 dated 22-8-1987.

(2) The principal rules referred to in clause (a) (ii) ibid were first notified under GSR No. 1847 dated 16-12-1967 and were subsequently amended by GSRs No. 1319 dated 27-8-1970; 669 dated 2-5-72 and 644 dated 22-8-87.

(3) The principal rules referred to in clause (a) (iii) ibid were first notified under GSR No. 1855 dated 31-10-70 and were subsequently amended by GSR No. 646 dated 22-8-87.

APPENDIX

FORM OF OPTION FOR READJUSTMENT

I, hereby exercise option for readjustment in terms of rule 6 of 'The Redeployment of Surplus Staff in the Central Civil Services and Posts (Supplementary) Rules, 1989' and furnish below the relevant information for the purpose :

1. Name
(as given in the Service Book)
2. Father's name
3. Date of birth:
4. Date of superannuation:

5. (a) Office in which employed at the time of being declared surplus:	
(b) Post held when declared surplus:	
(c) Pay scale of the post :	
(d) Classification of the post held :	Group A/B/C/D
(e) Status*	Permanent/Quasi-Permanent/Temporary/ Officiating (If officiating, indicate the post in which permanent)

6. Date from which declared surplus:

7. Particulars of posts in which redeployed :
- (a) Name and address of office
 - (b) Date of joining the office:
 - (c) Post joined :
 - (d) Pay scale of the post :

*Strike whichever is inapplicable.

8. Present Address—
Permanent :

Office address

9. Information relevant to the reasons for seeking readjustment :

(A) If a case of redeployment in a post carrying a lower pay scale (otherwise than on own request)—

Pay scale attached to the post

1 2

held at the time of being redeployed in which declare surplus

- (i) Pre-1-1-1973
(if redeployed prior to 1-1-73)
- (ii) Pre-1-1-1986
(if redeployed prior to 1-1-86)
- (iii) Revised
(if redeployed after 31-12-85)

(B) If a case of redeployment in a post carrying lower classification—

- (i) Nomenclature of the post held in parent office

(ii) Whether it was classified as Class I/II/III/IV (if declared surplus before 11-11-1975) OR Group 'A'/'B'/'C'/'D'

(iii) Nomenclature and classification of the post in which redeployed

(iv) Whether facility of protection of classification-status availed of under DP&AR O.M. No. 1/13/84- CS. III dated 3-9-1984: if not, reasons therefor:

(C) If a case redeployment in a State other than the one in which posted at the time of being declared surplus., or the one indicated for arranging placement in, when awaiting redeployment (applicable only in the case of Group 'D'/ Group 'C' and such Group 'B' employees whose maximum of pay scale as per CCS (Revised Pay) Rules, 1986—including personal pay scale where allowed—does not exceed Rs. 2900/-)

(i) Station at which posted at the time of being declared surplus: and the State/U.T. in which it is located :

(ii) Station at which posted on redeployment and the State/ U.T. in which it is located :

(iii) Whether any request was made to the concerned Cell for arranging redeployment in any particular State: if so, name the State/U.T. in which redeployment was requested. Furnish details of reference made to the Cell in this regard

(iv) (a) whether the post of redeployment is an isolated post or forms part of a cadre/service

(b) In the latter case, whether the cadre/service has no post located in the State referred to in (iii) or alternatively (i) above (as applicable) to which the applicant can be transferred intra-departmentally in the normal course

2. I understand that my past service including the period in the post at present held by me, shall not count towards fixation of seniority in the post in which I am readjusted.

3. I also understand that the action for readjustment shall stand closed in any of the circumstances mentioned in clause (b) of sub-rule (4) of rule 6 *ibid.*

Date :	Signature
Station	Name of the Optant
	Present designation
	and office address
No.	Date

Certified that the above-mentioned official was appointed to this organisation on redeployment from the Central (Surplus Staff) Cell of the Department of Personnel and Training/Special Cell of the Directorate General of Employment and Training in terms of the Scheme for Redeployment of Surplus Staff.

2. The particulars furnished by the official, as above, have been verified with reference to the records available in this office and have been found to be correct.

3. This option was received in this Department/office² on His eligibility for readjustment in terms of rule 6 of 'The Redeployment of Surplus Staff in the Central Civil Services and Posts (Supplementary) Rules, 1989' has been verified and accordingly his option for readjustment is forwarded for necessary action.

Station	(Signature of Head of Office)
Phone No.	

Telegraphic address (if any)	His name & designation
	Office Address
	Office stamp

